ISSN 2394- 5303

Printing Area®

Issue-68, Vol-01 September 2020
Peer Reviewed International Refereed Research Journal

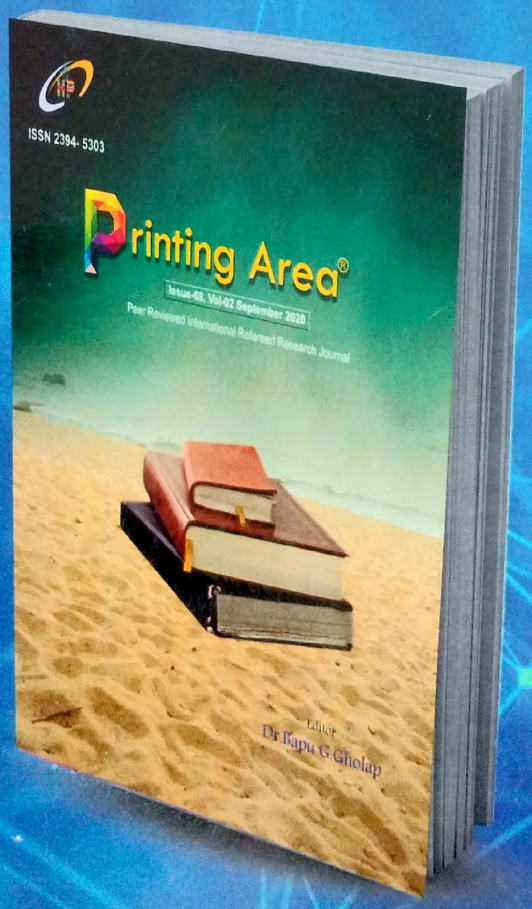

Editor
Dr.Bapu G.Gholap

14) आजच्या शैक्षणिक पदधतीमध्ये शारीरिक शिक्षणाची आवश्यकता
डॉ. सुरेश जयराम फराकटे, कोल्हापूर ||69

15) रॉयचे नित्य समीकरण, शेफर्डचे सहायक प्रमेय आणि उपभोगातील अन्योन्यता: ...
प्रा. बेलुरे विशाल चंद्रशेखर, जिल्हा नांदेड ||71

16) मराठी पत्रात्मक वाङ्मयाचे स्वरूप : एक आकलन
प्रा. राजेंद्र जयराम खंदारे, जि.सोलापूर ||73

17) स्वातंत्र्यपुर्व कालीन दलित चळवळ आणि चंद्रपूर जिल्हा
प्रा. डॉ. आर. पी. किरमिरे, जिल्हा— गडचिरोली ||76

18) ''होय, तेव्हाही गाणं असेल !'' अनुवादित कवितासंग्रहाचे तुलनात्मक आकलन
प्रा. डॉ. निलेश एकनाथ लोंढे, परभणी ||82

19) महानुभाव पंथाची शिकवण : एक अभ्यास
प्रा.डॉ. प्रकाश फड, परळी वै. ||87

20) भारतीय खेळ काल आणि आज
डॉ. सुशांत तानाजी मगदूम, सोळांकूर ||90

21) गूळ उत्पादन पद्धती आणि गूळ विपणनाच्या समस्या
विनोद दाजीराम रणपिसे & डॉ. एन. बी. शेख, पुणे ||92

22) भारताच्या आर्थिक विकासात परकीय व्यापाराचे महत्व
प्रा. डॉ. टी.जी. सिराळ, जि. हिंगोली ||97

23) युगल साहित्यकार ममता कालिया तथा रवीन्द्र कालिया के कहानियों में चित्रित वृद्धावस्था
गोपिरेड्डी लीलावती, वरंगल, तेलंगाना ||100

24) मध्य हिमालय (उत्तराखण्ड) में दुर्गों का इतिहास
डॉ. राजा हृदयेश अण्डोला ||104

25) भरतपुर जिले के स्थान—नामों का भाषा शास्त्रीय अध्ययन
डॉ. गोविन्द शंकर शर्मा & डॉ. अशोक कुमार शर्मा, जयपुर (राज.) ||110

26) वर्तमान में कबीर काव्य की प्रासंगिकता
डॉ. रेनू जोशी, अल्मोडा ||114

www.vidyawarta.com/03 — http://www.printingarea.blogspot.com

23

युगल साहित्यकार ममता कालिया तथा रवीन्द्र कालिया के कहानियों में चित्रित वृद्धावस्था

गोपिरेड्डी लीलावती
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी विभाग,
काकतीय शासकीय महाविद्यालय, वरंगल, तेलंगाना

****

वृद्ध का शाब्दिक अर्थ है - बढ़ा हुआ, पका हुआ, परिपक्व। वृद्धावस्था या बुढ़ापा जीवन की उस अवस्था को कहते हैं जिसमें उम्र, मानव जीवन की औसत काल के समीप या उससे अधिक हो जाती है। वृद्ध लोगों को रोग लगने की अधिक संभावना होता है। उनकी समस्याएं भी अलग होती है। वृद्धावस्था धीरे-धीरे आने वाली अवस्था है, जो कि स्वाभाविक व प्राकृतिक घटना है। भारतीय परंपरा में वृद्धों की बातों को सम्मान देने का साथ ही उनके निर्णय के विरुद्ध नहीं जाने का एक रिवाज़ रहा है।

वृद्धों को अनेक समस्याएँ घेर लेती है, परिणामतः वे दूसरों के साथ संबंध स्थापित करने में असमर्थ रहते हैं। वृद्धों की समस्याओं को हम इस प्रकार कह सकते हैं - शारीरिक, मानसिक, स्वास्थ्य की समस्या, आर्थिक समस्या, पारिवारिक एवं सामाजिक समस्या, अकेलापन की समस्या, घर व समाज में अनादर, अन्याश्रित भावना की समस्या आदि-इत्यादि। इन वृद्धों के समस्याओं के कारणों को डॉ. रमेश प्रसाद द्विवेदी ने स्पष्ट करते हुए लिखा है संयुक्त परिवार का विघटन, भौतिक सुख सुविधाओं की वृद्धि, नई-पुरानी पीढ़ी के बीच फासला, धन का महत्व तथा व्यक्तिवादिता या व्यक्तिगत स्वार्थ।[1] इसके साथ-साथ सत्यशील अग्रवाल वृद्धों के समस्याओं के कारणों को बताते हुए १. सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन, २. बढ़ता भौतिकवाद, ३. पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव, ४. चिकित्सा सुविधाओं का महंगा होना, ५. सामाजिक सुरक्षा का अभाव, ६. विषम परिस्थितियों के शिकार बुजुर्ग, ७. नशीली आदतें।[2] लिखे हैं।

वृद्धावस्था अथवा वरिष्ठ नागरिकों के समस्याओं को युगल साहित्यकार ममता कालिया एवं रवीन्द्र कालिया जी के कहानी साहित्य में चित्रण किया गया है।

वृद्धों की उपेक्षा

भारत जैसे देश में वृद्धों की या बुजुर्गों की उपेक्षा क्यों बढ़ रही है? इसका कारण हम दैहिक, पारिवारिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक कारण कह सकते हैं साथ ही उसका हस्तांतरण भी, क्योंकि घर के अंदर सास का साम्राज्य और घर के बाहर पिता का। किंतु बहू के गृहप्रवेश से सास के अधिकारों में हिस्सेदारी की मांग बढ़ती है। धीरे-धीरे परिवार में बहू की प्रमुखता ने घर के अंदर सत्ता का हस्तांतरण कर लेती है तो घर के बाहर सभी तरह के निर्णयों में पुत्रों के हस्तक्षेप से पिता की सत्ता कम होती है। उम्र ढलने के कारण शारीरिक तौर से, कल तक जो व्यक्ति चुस्त दिखता था, आज वह निरूपाय-सा, सुस्त नज़र आते हैं साथ ही शरीर, मन का साथ नहीं दे पाता। परिणाम स्वरप देह की क्षमता का रूपांतरण भी बहू व बेटे में हो चुका होता है।

रवीन्द्र जी बुढ़वा मंगल कहानी में नब्बे साल के बूढ़े के प्रति उनके बेटे और पोते उपेक्षित दृष्टि से देखते हैं, उनसे बातें करने के लिए भी समय नहीं होता है बच्चे तक उसके कमरे की तरफ रुख न करते थे। बूढ़े ने निराश होकर परिन्दों से दोस्ती कर ली थी। ... शुरु-शुरु में बच्चे टॉफी लेने उसके कमरे में जाया करते थे, मगर अब वे बड़े हो गए थे और बूढ़े की टॉफी में किसी की ıÅYEoy CEsy@ जो अकेलापन से ग्रस्त है। ममता जी ने सीट नंबर छह कहानी में बंगालिन (बहू) अपनी सास के पास अपने बेटे (पोते) को छोड़ना नहीं चाहती है जो कोलकत्ता में रहती हैं। मेरी माँ ने हमारा बेटा अपने पास रख लिया। उधर वह एकदम अकेली है, पहले हमारे पास रहती थी पर इन दोनों की एकदम नहीं बनती। उधर पास में स्कूल भी है। हमने सोचा एक दो साल माँ रख ले तो क्या, पर ये तब से रोती ही रोती है। उधर रहने भी नहीं दिया, लड़ कर आ गई।[3] ममता जी की खाली होता हुआ घर कहानी की नायिका सुमित्रा अपने माता-पिता को छोड़कर और उपेक्षा कर, वह प्रेम विवाह करके कुछ दिनों के पश्चात् माँ-बाप से मिलने आती है तो माँ बीमार पड़ती है और पिता घर के काम करते हुए, उससे कहते हैं रहने दो, दो दिन से फायदा... और बिगाड़ कर चली जाएगी। रिटायरमेंट और बुढ़ौती, दोनों की तैयारी कर रहा हूँ।[4]

ममता जी की आज़ादी कहानी की दादी, अपने पति (बाबा), उनको फोड़ा-फुंसी निकलती है तो वह आंगन के नीम की पत्तियाँ पीस कर उस पर बाँधती हैं क्योंकि उनके पति उन्हें डॉक्टर के पास दिखाना, पैसे व्यर्थ करना समझते हैं। वे अपने ही पति द्वारा उपेक्षित हैं अच्छे डागडर की फीस भी अच्छी होगी का फायदा? तुम्हें कौन ब्याह रचाना है। मर्ज और क़र्ज समय पाकर जाते हैं,

MAH/MUL/03051/2012
ISSN-2319 9318

विद्यावार्ता

interdisciplinary multilingual research journal

Issu-III, Vol-I, July To Sept 2013

Editor
Dr.Bapu G. Gholap

२०) डिजीटल ग्रंथालय आणि त्यांच्या निर्मितीय व विकासाय कारणीभूत ... : श्री. आजगेकर रविंद्र || पृ.७३

२१) मराठवाड्याच्या सहकार चळवळीत वैद्यनाथ अर्बन को-ऑप. .... : प्रा. मेहजे मीना गिताराम || पृ.८०

२२) मानवी हक्क - संयुक्त राष्ट्रसंघ व भारतीय संविधान एक ..... : प्रा.विजय लक्ष्मण तरोड || पृ.८३

२३) चलेजाव चळवळीच्या काळात खानदेशातील .....: डॉ. मधुकर विक्रम पाटील || पृ.८७

२४) दोन प्रभावशाली गांधीच्या हत्या : एक अध्ययन : डॉ. रविंद्र टी वैद्य || पृ.९०

२५) १९९० नंतरचे भारतीय परराष्ट्र धोरण : डॉ.आंधळे बी.व्ही. || पृ.९३

२६) सुरमयी पहाडी नाद व संगीतकार : डॉ. सरिता इंगळे || पृ.९७

२७) महाराष्ट्रातील शेतीक्षेत्र विकासाचा भौगोलिक अभ्यास : प्रा. देशमुख एस.बी. || पृ.१०२

२८) बीड जिल्यातील शेतीविकासावर मानवनिर्मित घटकांचा झालेला .....: प्रा.घुगे एस. पी || पृ.१०५

२९) लोकसंख्या स्थलांतराच्या कारणाचा व परिणामाचा ...: डॉ. रेडे प्रा.एस.डी.वाघमारे || पृ.१०९

३०) मराठवाडा दुष्काळाच्या कवेत : एक भौगोलिक अभ्यास : प्रा. वनवे एस.व्ही. || पृ.११२

३१) बीड जिल्हयातील कपिलधार पर्यटन स्थळाचा ....: जाधव सारिका विश्वंभर || पृ.११७

३२) क्रिडा सहभागातील महाविदयालयीन विदयार्थीनीच्या समस्या : प्रा. राजाराम कारे || पृ.१२०

३३) बदलती व्यवस्थापन तंत्रे व ग्रंथालय माहितीशास्त्राचा .....: आजगेकर रविंद्र हरी || पृ.१२४

३४) श्रीमती मंजुल भगतजी के उपन्यास - एक समीक्षा : पी. प्रेमचन्द (आंध्रप्रदेश)ा || पृ.१३१

३५) समकालिन लेखिका मंजुल भगत के कथा.....:डॉ. द्वारका गिते-गुंडे || पृ.१३४

३६) नये-पुराने माँ-बाप कहानी का समीक्षात्मक अध्ययन : प्रा.चाटे तुकाराम || पृ.१३७

३७) आधुनिक कहानियों में सामाजिक चेतना : एम.डि. अलीखान (आंध्रप्रदेश) || पृ.१४०

३८) हिंदी साहित्य जगत के अंतर्गत नारी-विमर्श' : फड प्रणिता आत्माराम || पृ.१४२

३९) उषा प्रियंवदा की कहानियों के पात्रों में चित्रित अकेलापन : गोपिरेड्डी लीलावती (आंध्रप्रदेश) || पृ.१४४

४०) प्रयोगशील रुझान के प्रगतिशील कवि-भवीणी प्रसाद मिश्र : प्रा. निकाळजे भुपेंद्र || पृ.१४६

39 उषा प्रियंवदा की कहानियों के पात्रों में चित्रित अकेलापन

गोपिरेड्डी लीलावती
हिन्दी कनिष्ठ प्राध्यापिका
सरकारी बालिका जुनियर कॉलेज,
हनुमाकोण्डा, जिला. वरंगल, आंध्रप्रदेश

मानव मन की यह विशेषता रही है कि जब कोई व्यक्ति या वस्तु उससे दूर होने लगती है, तब उसकी चेतनावस्था जागृत होती है। तथा स्वयं को तनहा या अकेला अनुभव करने लगता है। अकेलेपन को दूर करने के लिए तथा उससे छुटकारा पाने के लिए मनुष्य तरह-तरह के नुस्खे अपनाता है। तो कोई उसी बवंडर में ही स्वयं को मिटाते हैं। अर्थात् कुछ लोग सकरात्मकता से उससे उभरने का प्रयत्न करते हैं, तो कुच लोग नकरात्मकता से स्वयं को नष्ट कर लेते हैं। नई कहानीकार उषा प्रियंवदा जी की कई कहानियों के पात्रों के माध्यम अकेलापन का चित्रण किया हैं।

छुट्टी का दिन कहानी की माया सहगल अपने परिवारवालों से दूर अलग शहर में रहकर अध्यापन -कार्य करती है। सप्ताह के कार्य-दिवस कॉलेज में गुजारी है तो छुट्टी का दिन उसे कठिन लगता है। छुट्टी का दिन माया के लिए पहाड सा होता था, सप्ताह-भर जो काम टालती आती थी कि उन्हे खतम करके भी इतना समय बच जाता था कि खीझ उठती थी। झुँझला उठती थी। और जब भाई -बहनों के साथ घर पर रहती थी तो समझ भी न नाती कि इतवार कब आया और कैसे पंख लगाकर उड गया। अकेलेपन को दुर करने के लिए वह सिनेमा देखने चली जाती है। तत्पश्चात दूर के रिश्तेदार के पास जाती है तो वहाँ भी उसे मन नहीं लगता। वापस आकर वह अपने आप को दोष देती हुई रोती है। अपनी जिन्दगी के पैटर्न पर, उसके खोखलेपन और सारहीनता पर। किस लिए वह घर-बार छोडकर इतनी दूर आकर पडी थी, किसलिए वह सुबह से शाम तक कॉलेज में मगज-पच्छी करती थी। इसीलिए कि जिन्दगी के दिन एक-एक करके गुजरते जाएँ और हर गुजरा हुआ दिन उसके जीवन का खालीपन और भी गहरा करता जाए और एक दिन, सोचे कि इस जीवन में उसनें क्या पाया, तो पता चले कि वह एक लम्बे अनन्त मरुस्थल की तरह था

वापसी कहानी के गजधार बाबू पैंतीस साल के पश्चात सेवानिवृत्त होकर घर वापस आता है। तो अपने ही परिवार में अकेलापन महसूस करते हैं। परिवारवालों के रुखेपन के कारण, स्वयं को अकेला एवं उदासी से सोचने लगते है- उनके जीवन के केन्द्र नहीं हो सकते, उन्हें तो अब उनकी शादी के लिए भी उत्साह बुझ गया। किसी बात में हस्तक्षेप न करने के लिए निश्चय के बाद भी उनका अस्तित्व उस वातावरण का एक भाग न बन सका। उनकी उपस्थिति उस घर में ऐसी असंगत लगने लगी थी। जैसे सजी हुई बैठक में उनकी चारपाई थी। उनकी सारी खुशी एक गहरी उदासीनता में डूब गई। इस स्थिति से बाहर आने के लिए वह फिर से नौकरी करने के लिए वापस चले जाते हैं

पूर्ति कहानी में अचला के बचपन में ही उसकी माता का देहान्त हो जाता है। इस घटना के साल भर बाद ही अचला के पिता दूसरी शादी करते है। फलत: उसे बोर्डिग स्कूल भेज दिया जाती है। पापा और सौतेले भाई - बहनों से दूर अचला ज्यों-ज्यों बडी होती जाती, अपने को और भी अकेला पाने लगती। पिता के स्नेह से वंचित रहने के कारण अचला का अकेलेपन के गर्त में मजबूरन प्रवेश करना पडा है।

चाँद चलता रहा कहानी में रोहिनी के माँ-बाप के मृत्यु के पश्चात उनकी ताई ने डॉक्टर के लडके अरविन्द के साथ रोहिनी का सगाई करवा देती है। शादी से पहले अरविन्द के अदम्य कामेच्च को रोहिनी ठुकराती है। तथा स्वयं को दोषी मानती है। क्योंकि एक दुर्घटना में अरविन्द की मृत्यु हो जाती है। उस अकेलापन को दूर करने तथा स्वयं को तृप्त करने के लिए वह वेश्या बनकर मिटती है। अपने मित्र से कहती है - तो विनय, रह गई मैं, अपनी पवित्रता लिए,

MAH/MUL/03051/2012
ISSN-2319 9318

विदर्भ वार्ता®

International Multilingual Refereed Research Journal

Issue-26, Vol-04 April to June-2018

Editor
Dr.Bapu G.Gholap

26) सारांश : माणसाच्या शोधात निघालेली कविता
श्री. नामपल्ले शिवाजी हूल्लाजी, नांदेड ||106

27) जाहिरातीची भाषा
प्रा. एकनाथ शामराव पाटील, जि. कोल्हापूर ||107

28) सुखता हुआ तालाब में परिलक्षीत सामाजिक जीवन
प्रा. डॉ. कांबळे विलास नागोराव, जि. लातूर ||111

29) कालिदास एवं भवभूति की नाट्यकशतियों में नान्दी तथा भरत—वाक्य
बब्बू राम, चण्डीगढ़ ||113

30) गाथा नये भारत की
संतोष दयाल, जिला—चतरा (झारखण्ड) ||116

31) विक्रमोर्वशीय के भाव सौन्दर्य की मालतीमाधव के भाव सौन्दर्य से तुलनात्मक...
डॉ० अरविन्द कुमार बाजपेयी, कानपुर नगर ||120

32) भारतीय सेना में महिलाओं की यौद्धिक भूमिका : एक विश्लेषण
अनिल कुमार मीना & डॉ. आर.सी.एस. कुंवर, श्रीनगर गढ़वाल ||125

33) ग्रामीण बालिकाओं के मानवमिति परीक्षण द्वारा पोषण स्तर का अध्ययन
डॉ. प्रगति देसाई & कु. लालू डुडवे, इन्दौर ||133

34) रवीन्द्र कालिया की कहानियों में अभिव्यक्त : अल्पसंख्यक मुस्लिम विमर्श
लीलावती गोपिरेड्डी, वरंगल जिला, तेलंगाणा ||137

35) सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में माया वर्मा का योगदान
श्रीमती रूचिरा सिंह, ग्वालियर, म०प्र० ||141

36) असग़र वजाहत और राजन खान के कथा साहित्य में चित्रित समस्याओं का विश्लेषण
मोहम्मद आदिल इरशाद अहमद ||144

37) खण्डवा जिले में स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना का मूल्यांकन
डॉ. राजीव कुमार झालानी & डॉ. संजीव जटाले, इन्दौर ||147

www.vidyawarta.com/03 http://www.printingarea.blogspot.com

Kakatiya University

4077

No. 0774

PROVISIONAL CERTIFICATE

Ph.D.

This is to Certify that G. Leelavathi.

Son/Daughter of Govindu.

has been declared qualified for the award of the Ph.D. Degree

In Hindi of this University in July, 2021.

Topic of Thesis:

Yougal Sahityakaar Mamata Kaaliya - Ravindra Kaliya ki Kahaaniyon ka Anusheelan

Warangal T.S. - 506 009
Date: 16-08-2021

for Registrar

EXAMINATION BRANCH
KAKATIYA UNIVERSITY
WARANGAL – 506 009 (TS) INDIA

No. 445 /Ph.D./E1/KU/2021 Date: 30-07-2021

PRESS NOTE

Mr/Ms. **G. Leelavathi**, Research Scholar in **Hindi**, Kakatiya University, Warangal, who has presented a thesis for the Degree of Ph.D. in **Hindi** entitled **"Yougal Sahityakaar Mamata Kaaliya - Ravindra Kaliya ki Kahaaniyon ka Anusheelan"** has been declared qualified for the Degree of **Doctor of Philosophy** (Ph.D.) of the Kakatiya University.

"By Order"

CONTROLLER OF EXAMINATIONS

Copy forwarded for information to:

1. The Registrar, Kakatiya University, Warangal.
2. The Secretary, University Grants Commission, New Delhi-110 002.
3. The Editor, University News, A.I.U., 16 Kotla Marg, New Delhi-110 002.
4. The Dean, Faculty of Arts, KU, Warangal.
5. The Coordinating Officer, U.G.C. Unit, Kakatiya University, Warangal.
6. The Principal, University College , Kakatiya University,Wgl.
7. The Chairperson, Board of Studies in Hindi, K.U., Wgl.
8. The Head, Department of Hindi, KU, Wgl.
9. The E X A M I N E R.
10. **Dr. R. Umarani(Retd.,)**, (Supervisor), Dept. C.K.M. College, KU, Wgl.
11. The Nodal Officer, Kakatiya University, Warangal.
12. The Member-in-Charge, University Library, Kakatiya University, Warangal.
13. The Deputy Registrar (Admn.), Kakatiya University, Warangal.
14. The Public Relations Officer, Kakatiya University, Warangal.
15. The Secretary to Vice-Chancellor, Kakatiya University, Warangal.
16. The Documentation Section (E5), Examination Branch, KU, Warangal.
17. The Person concerned (**G. Leelavathi** S/D/o. **Govindu**)

p

(4077)

Dr. B. Venkatram Reddy
M.Sc.,B.Ed., Ph.D., PGDCS
Professor of Physics &
Addl. Controller of Examinations
(Confidential)

KAKATIYA UNIVERSITY
Vidyaranyapuri
WARANGAL – 506 009 (T.S)

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Mobile: 9701424920, Off: 0870-2453800, Extn. 511, Fax: 0870-2438875, E-mail acoe.e1@gmail.com

Date: 18-11-2020

CERTIFICATE

This is to certify that **Ms. G. Leelavathi** D/o **Govindu**, Research Scholar in **Hindi**, Kakatiya University, Warangal has submitted her Ph.D. thesis entitled **"Yougal Sahityakaar Mamata Kaaliya - Ravindra Kaliya ki Kahaaniyon ka Anusheelan",** under the supervision of **Dr. R. Umarani,** Department of Hindi, C.K.M. Arts & Science College, Warangal on **18th November, 2020** for the award of Ph.D. Degree in **Hindi** of Kakatiya University, Warangal.

Addl. Controller of Examinations
(Confidential)

35-5-221, LIC Colony, Gopalapuram, Hanamkonda, Warangal (U) – 506 009, (TS), India

DEPARTMENT OF HINDI
KAKTIYA UNIVERSITY
WARANGAL – 506 009 (T.S)

CERTIFCATE

This is to certify that **Mr./Ms.** G. LEELAVATHI. who is working for ~~his~~/her Ph.D on the topic entitled "YUGAL SAHITYAKAR MAMATA KALIYA EVAM RAVINDRA KALIYA KI KAHANIYON KA ANUSHEELAN" under the supervision of **Prof./Dr.** R. UMA RANI. has presented a **Seminar – I on Research Methodology** as per the Rules & Regulations of **Doctor of Philosophy** *(who joined the Ph.D programme after 9th October,2006)* organized by Department of **HINDI**, Kakatiya University, Warangal on 06-04-2018.

Dean
Faculty of Arts

Chairperson- Convener
Board of Studies

Head & Chair person
Department Research Committee

OFFICE OF THE DEAN
Faculty of Arts
Kakatiya University, Warangal – 506 009 (T.S.), India
(Accredited with "A" Grade by the NAAC)
Phone: (O) 0870 – 2461434

Prof. B.Ailaiah,
Professor of Telugu & Dean

No. 07 /DFA/KU/2020 Date: 24-09-2020

CERTIFICATE

This is to certify that G.LEELAVATHI, Ph. D. Research Scholar in Department of Hindi under the Supervision of Dr. R. Uma rani, is presented second Seminar in the topic "YOUGAL SAHITYAKAAR MAMATA KAALIYA-RAVINDRA KALIYA KI KAHAANIYON KA ANUSHEELAN" On 23September,2020 thorough online.

DEAN
DEAN 24/9/2020
Faculty of Arts
Kakatiya University
Warangal-506 009 (T.S.)

GOVERNMENT DEGREE COLLEGE

MANCHERIAL,DIST:ADILABAD

Date:23-06-2015

NO OBJECTION CERTIFICATE

This is certify that Smt. G. Leelavathi D/O Late Govindu has been working as Asst. Professor of Hindi since 23-05-2013 at Government Degree College, Mancherial , Dist: Adilabad. We have no objection for doing her Ph.D on Part-time basis.

Hence, Certified.

Principal

PRINCIPAL
Govt. Degree College
MANCHERIAL. T.S

To
Smt. G. Leelavathi,
Asst. Professor of Hindi,
GDC,Mancherial,
Dist:Adilabad.

GOVERNMENT DEGREE COLLEGE

MANCHERIAL,DIST:ADILABAD

Date:23-06-2015

EXPERIENCE CERTIFICATE

This is certify that Smt. G. Leelavathi D/O Late Govindu has been working as Asst. Professor of Hindi since 23-05-2013 at Government Degree College, Mancherial , Dist: Adilabad. Her services are found satisfactory.

Hence, Certified.

Principal
PRINCIPAL
Govt Degree College
MANCHERIAL TS

To
Smt. G. Leelavathi,
Asst. Professor of Hindi,
GDC,Mancherial,
Dist:Adilabad.

DIRECTORATE OF ADMISSIONS

KAKATIYA UNIVERSITY, WARANGAL (A.P)

Ph.D. ENTRANCE – 2013 :: MARKS CARD

MARKS: 00

HALL TICKET NO : 2039
COURSE (SUBJECT) : HINDI
NAME : GOPIREDDY LEELAVATHI
FATHER'S NAME : GOVINDU
CATEGORY : BCD

DIRECTOR

DIRECTORATE OF ADMISSIONS
KAKATIYA UNIVERSITY, WARANGAL (A.P.)

M. Phil/Ph.D EntranceTest : 2011-12

ACKNOWLEDGEMENT CARD

SNO 557

Name of the Candidate: Gopireddy Leelavathi

Course (Subjectd) applied for: ph:D (Hindi)

Date: 15/2/13

Signature of the Receiver

OFFICE OF THE DEAN
Faculty of Arts
Kakatiya University : : Warangal – 506 009 (T.S.), India

Prof. K. Yadagiri
Dean

Phone : (O) 0870 – 2461434

No. 166 /DFA/KU/2015

04-08-2015

ORDERS

Sub: Faculty of Arts - Ph. D. Admissions for the Year 2012-13 - Department of Hindi - Orders – Issued

* * *

On the recommendation of the Admission Committee and with the approval of the Vice-Chancellor, Kakatiya University, Warangal the following candidates have been provisionally selected for admission to the Ph.D. Programme for the year 2012-13 in the Department of Hindi.

Sl. No.	Name of the Candidate	H. T. NO:	Category/ Social status
1.	M. Rajya Laxmi	2024	OC
2.✓	G. Leelavathi	2039	BC-D
3.	S. Vijaya	2029	BC-D
4.	L. Jayanthi	2021	BC-B
5.	S. Vara Laxmi	2041	ST

The above candidates are required to submit the following certificates in original along with "Application Form for Admission to Ph.D." to the Principal, University College, KU for verification and finalization of admission to the Ph. D. Programme. The candidate should also submit the name of the supervisor and title of the Reasearch topic.

1. Post-Graduate / M. Phil Degree Certificate
2. NET/SLET/RGNF/ Project fellow candidate, if applicable
3. Eligibility Test Result Card, if applicable
4. Transfer Certificate
5. No Objection Certificate from the Employer (applicable to employees)
6. Migration Certificate (in case of candidates who obtained PG/M. Phil degree from an institution other than Kakatiya University)
7. Applicable fees (to be specified by the office of the Principal, University College, KU and to be paid at SBH, Kakatiya University Branch, Warangal).

After getting the above certificates verified the candidates have to submit their Joining Report along with the Research Topic and the consent of the supervisor through the DRC and duly endorsed by the Supervisor, Head of the Department, Chairperson, Board of Studies and Dean, Faculty of Arts to the Principal, University College, KU on or before 25-08-2015 failing which their admission will be cancelled.

OFFICE OF THE DEAN
FACULTY OF ARTS

KAKATIYA UNIVERSITY, WARANGAL 506 009 (T.S) INDIA

PROF. K. YADAGIRI
Dean

No: /DFA/KU/2015 Date: 25-08-2015

ORDERS

Sub:- Faculty of Arts – Ph.D Admission for the year 2012-2013, Departnment of Hindi – Allotment of Research Topics and Supervisors – Orders-Issued.

Ref:- 1. Ph.D Orders No: 164, dt: 04-08-2015
2. Recommendation of DRC, Department of Hindi, dt: 22/08/2015

- O -

On the recommendation of the Department Research Committee (DRC), Deopartment of Hindi, Kakatiya Universtiy, Warangal, the Candidates of Ph.D (2012-2014)have been allotted the supervisors and research topics and detailsed below

Sl No	Name	ResearchTopics	Research Supervisor	Remarsk
1	M. Rajya Laxmi	Naresh mehata ke kaavyonka kaavya shaastriya adhyayan	Dr.R. Umarani	
2	G. Leelavathi	Yougal sahityakaar mamatakaaliya, Ravindrakaliya ki kahaaniyonka Anusheelan	Dr. R.Umarani	
3	S. Vijaya	Samakaaleen Hindi lekhikavonki kahaniyon me vriddha jeevan	Dr. R.Umarani	
4	L. Jayanthi	KrishnaAgrihotri kahaaniyon me saamaajik chetana	Prof..Ch. Sanjeeva	
5	S. Vara Laxmi	Suryabaala ki kahaaniyon ka samaaj shastriya adhyayan.	Prof..Ch. Sanjeeva	

DEAN

DEAN
Faculty of Arts
Kakatiya University
WARANGAL-506 009

Copy to:

1. The Principal, University College, KU
2. The Head, Dept of Hindi, KU
3. The Chairperson, BOS in Hindi, KU
4. The Supervisors Concerend
5. The Controller of Examination, KU
6. The Member in Charge, University Library, KU
7. The Deputy Registra, Academic Branch, KU
8. The Stock File

JOINING LETTER

From

Date : 22-08-2015

GOPIREDDY LEELAVATHI
Flat No. 504,
Sai Nivas Apartment,
Near MPDO Office,
Waddepally - 506370
Hanamkonda,
WARANGAL DISTRICT.

To

The Principal,
University Colelge,
Kakatiya University,
WARANGAL.

// THROUGH PROPER CHANNEL //

Sub:- Admission to Ph.D. Programme in HINDI - Submission of Joining Report - Reg.

Ref:- KU Order No. 166/DFA /KU/2015, Dated : 04-08-2015.

* * *

Respected Sir,

With reference to the subject cited above, I am here with submitting my Joining Report as a Research Scholar (Part-Time) to work for my Ph.D. in HINDI under the supervision of Dr. R. UMARANI, Department of Hindi, K.U. Warangal.

Thanking you,

Yours sincerely

Principal
University College
Kakatiya University
Warangal-506 009 T.S

(GOPIREDDY LEELAVATHI)

Research Supervisor
Dr.R. UmaRani

Head of the Dept.,
HINDI

Vice-Principal
University Arts & Science College
(Kakatiya University)
Subedari, WARANGAL-506 001

Chairman, BOS
Board of Studies

DEAN
Faculty of Arts

DEAN
Faculty of Arts
Kakatiya University
WARANGAL-506 009